KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN , CHENNAI REGION
CLASS – XII COMMON PRE - BOARD EXAMINATION
Max.M : 100 SUB: HINDI (CORE) TIME : 3 Hrs
ANSWER KEY.

प्रश्न संख्या	प्रश्न-प्रकार	उत्तर-संकेत (बिंदु मात्र)	अंक विभाजन	पूर्णांक
1	अपठित काव्यांश	क] पुरुष के बंधन से ,जननी,सखी व प्रिया रूप । ख]आभूषण अलंकरण के साधन , बल्कि नारी की स्वतंत्रता की क़ीमत है । ग] मानवी तथा मातृत्व की गरिमा से, पुरुष के समान दर्जा मिले । घ] मुक्त नारी को मानवी ,युग का प्रकाश देनेवाली ङ] नारी के नए रूपों से नए युग का प्रभात प्रकाशित हो । अर्थात नारी अपने कार्यों से समाज को दिशा दे ।	1x5=5	5
2	अपठित गद्यांश	क] शिक्षा का महत्त्वपूर्ण अंग,पूर्ण विचार योजना,ज्ञान के साथ आनंद की प्राप्ति । ख] संबंधित विषय पर तथ्यों को जुटाते हुए चित्र इकट्ठे कर एक स्थान पर चिपकाए जाते है नयी-नयी बातों की जानकारी दी जाती है । ग] हमारी समस्याओं का निदान तथा खेल जैसा आनंद घ] हर व्यक्ति अपने ढंग से । दो प्रकार : 1.समस्या का निदान करनेवाली 2.विषय की समुचित जानकारी देनेवाली ङ] समस्या से जुड़े सभी तथ्यों पर प्रकाश डालना तथा समाधान के लिए सुझाव देना । च] 'परि' उपसर्ग तथा मूल शब्द'योजना' छ] शिक्षा-शैक्षिक. संबंध-संबंधित ज] अखबारों या पत्रिकाओं में छपे चित्र इकट्ठे करके चिपकाना । झ] मूल शब्द-शिक्षा,सरकार, प्रत्यय-इक,ई । ञ] परियोजना का स्वरूप या अन्य कोई उपयुक्त शीर्षक ।	क- X **2x5** च-gÉ **1×5**	**15**
3	निबंध	प्रारंभिक एवं समापन की औपचारिकताएँ विषय प्रतिपादन एवं प्रस्तुति भाषा शैली	**1** **3** **1**	**5**

प्रश्न संख्या	प्रश्न-प्रकार	उत्तर-संकेत (बिंदु मात्र)	अंक विभाजन	पूर्णांक
4	पत्र-लेखन (दो में से एक)	प्रारंभिक एवं समापन की औपचारिकताएँ विषय प्रतिपादन एवं प्रस्तुति भाषा शैली	**1** **3** **1**	**5**
5- आ]	जन संचार माध्यम	i.मुद्रित,रेडियो,टेलीविजन या इंटरनेट किसी भी माध्यम से खबरों का संचार ii. उदंत मार्तंड.पं.जुगल किशोर iii.गहराई से छानबीन करके दबाए या छुपाए जाने वाले तथ्यों और सूचनाओं को उजागर करनेवाली पत्रकारिता iv.किसी व्यक्ति या व्यक्ति विशेष की राय,भाव या विचार न होने के कारण v.1556 ई., गोवा में	**1×5**	**5**
आ]	आलेख (दो में से एक)	विषय प्रतिपादन एवं प्रस्तुति भाषा शैली	**3** **2**	**5**
6	फ़ीचर लेखन (दो में से एक)	विषय प्रतिपादन एवं प्रस्तुति भाषा शैली	**3** **2**	**5**
7	पठित काव्यांश अर्थबोध संबंधी प्रश्न (कोई एक)	क] प्रेम के दीवाने कवि पर प्रेम का नशा छाया है परन्तु प्रिय के पास न होने से वह निराश भी है | ख] संसार के समक्ष हँसता दिखाई देता है परन्तु प्रिय की याद में अन्दर से रो रहा है । ग] स्वार्थी,सांसारिक सुखों को महत्त्व देनेवाले लोग । वे जान नहीं पाते कि संसार मायाजाल है, असत्य है । घ] जीवन में सत्य की प्राप्ति नहीं हो पाती इसलिए सीखे ज्ञान को भुलाकर मन की इच्छानुसार जीवन यापन कर सके । अथवा क] धर्म,जाति,संप्रदाय के नाम पर राजनीति करनेवालों पर, समाज की समरसता खो गयी है ।	**2×4** ****	**8**

प्रश्न संख्या	प्रश्न-प्रकार	उत्तर-संकेत (बिंदु मात्र)	अंक विभाजन	पूर्णांक
		ख] स्वयं को रामभक्त कहने में, राम का गुलाम होने में । ग] समाज के लोग चाहे जो कहे उसे कोई फ़र्क नहीं पड़ता । वह किसी से कोई संबंध नहीं रखता । घ] भिक्षावृत्ति से पेट भरना,मस्जिद में सोना, किसी से कुछ लेना-देना नहीं ।		
8	पठित काव्यांश सौंदर्य बोध संबंधी प्रश्न (कोई एक)	क] धनिकों के लिए रुद्ध,आतंकित, त्रस्त,क्षुब्ध । उनकी आतंकित दशा का वर्णन करने के लिए । कृषकों के लिए जीर्ण बाहु,शीर्ण शरीर,अधीर । उनकी दीन-हीन दशा का चित्रण । ख] बादल के लिए प्रयुक्त, क्रांति का अग्रणी, विनाशक ग] विशेषणों का सुंदर प्रयोग, तत्सम शब्दावली का सुंदर प्रयोग, खड़ी बोली में सहज अभिव्यक्ति, संबोधन शैली, अनुप्रास अलंकार की छटा । <u>अथवा</u> क] i. नीला शंख (सुबह के आकाश के लिए) ii. राख से लिपा चौका (भोर के नभ के लिए) iii. काली सिल (अँधेरे से युक्त आसमान के लिए) iv.स्लेट पर लाल खड़िया चाक (भोर से नमी युक्त वातावरण में सूरज की लालिमा के लिए) v.नीले जल में झिलमिलाती गोरी देह (नीले आकाश में आता सूरज) ख] नए उपमानों का प्रयोग, ग्रामीण परिवेश का सहज शब्दों में चित्रण । ग] सुबह सूर्योदय से पहले नीले आकाश में नमी,स्वच्छ वातावरण में सूर्य अत्यंत सुंदर दिखाई देता है । ऐसा लगता है मानो नीले जल में गोरी की सुंदर देह झिलमिला रही हो ।	2×3 \	6

प्रश्न संख्या	प्रश्न-प्रकार	उत्तर-संकेत (बिंदु मात्र)	अंक विभाजन	पूर्णांक
9	कविता की विषय वस्तु पर आधारित लघूत्तरात्मक प्रश्न तीन में से दो के उत्तर अपेक्षित	क} कवि-कर्म कृषक के समान । खेत-कागज का पन्ना, बीज-भावों की आँधी, रसायन-कल्पनाएँ, पौधा-शब्दों के अंकुर, फल-विकसित रचना, कृषी-कर्म का उत्पाद निश्चित समय तक रस देता है, परंतु कवि-कर्म का उत्पाद अनंतकाल तक रस प्रदान करता है । ख] रचना करते समय आडंबरपूर्ण, भारीभरकम, समझ में न आनेवाली शब्दावली का प्रयोग नहीं करना चाहिए । सहज और व्यवहारिक भाषा में कही गयी बात आसानी से सबके समझ में आती है । ग] कैमरे में बंद अर्थात कैमरे के सामने लाचार, बेबस अपाहिज की मनोदशा का सार्थक प्रतिनिधित्व करनेवाला शीर्षक, दूरदर्शन के कार्यक्रमों के संचालकों की मानसिकता पर व्यंग्य । अपने लाभ के लिए अपाहिज को प्रदर्शन की वस्तु बना देते है । दूसरों की पीड़ा बेचकर धन कमाते है ।	3+3	6
10	पठित गद्यांश अर्थबोध संबंधी प्रश्न (कोई एक)	क] बड़ी लड़की किशोरी से युवती बनते ही विधवा हो गयी । हठी इसलिए कि भक्तिन ने बचपन से एक के बाद एक कई दुख झेले है । ख] उत्तराधिकारी दामाद की आकस्मिक मृत्यु से जायदाद मिलने की आशा की किरण । ग] भक्तिन की विधवा लड़की के लिए अपने तीतरबाज साले का प्रस्ताव । लड़की ने नापसंद कर दिया घ] किसी भी तरीके से अपने संबंधी का भक्तिन की लड़की से विवाह करना । यहाँ योग्यता का प्रश्न नहीं सिर्फ़ शादी का मामला था। <u>अथवा</u> क] अवधूत, कठिन परिस्थितियों में मस्ती से जीना। ख] अवधूत जटिल परिस्थितियों में रहता है । मस्ती और अनासक्ति के कारण सरस रचना कर सकता है । ग] अनासक्त योगी । 'मेघदूत जैसे सरस काव्य की रचना बाहरी सुख-दुख से दूर रहनेवाला व्यक्ति ही कर सकता है । घ] शिरीष के समान मस्त, फक्कड़ व सरस व्यक्ति, इसलिए संसार को सरस रचनाएँ दी ।	2×4	8

प्रश्न संख्या	**प्रश्न-प्रकार**	**उत्तर-संकेत (बिंदु मात्र)**	**अंक विभाजन**	**पूर्णांक**
11	पठित गद्यांश पाठों की विषयवस्तु पर आधारित पाँच में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	क] जाति-प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी और भुखमरी का कारण, रूचि योग्यता या कुशलता का ध्यान न रखना । पेशा बदलने की अनुमति नहीं, पैतृक पेशा अपनाने पर जोर। वर्तमान स्थिति बदली है । जाति-प्रथा के बंधन ढीले, जाति से अलग पेशा अपनाने की छूट । ख] बाज़ार सिर्फ़ ग्राहक की क्रय-शक्ति को देखता है । लिंग, जाति धर्म से कोई मतलब नहीं । एक प्रकार से सामाजिक समता की रचना ।उद्देश्य केवल सामान बेचना । ग] पूर्णतया सत्य कथन । जनता की भावनाएँ नहीं बँट सकती । मन अंत तक जन्मभूमि से जुड़ा रहता है । सीख बीबी और कस्टम अधिकारी के उदाहरण । घ] कुछ पाने के लिए कुछ देना ज़रूरी, त्याग भावना से दिया गया दान फलीभूत, किसान का उदाहरण । ङ] चार्ली का भारतीयकरण राजकपूर द्वारा बनाई गई फिल्म आवारा, 'पहली बार नायक को हँसी का पात्र बनाया ,चार्ली के अपने पर हँसने की कला पर मुग्ध होने के कारण गाँधी और नेहरू उनका सान्निध्य चाहते थे ।	**3×4**	**12**
12	पूरक पुस्तक पर आधारित प्रश्न	क] द्वितीय विश्वयुद्ध की घटनाओं, नाजियों के अत्याचारों का वर्णन, यहूदी परिवारों की अकथनीय यंत्रणाओं व पीड़ाओं का चित्रण, गुप्त स्थानों में छिपे रहना, गोलीबारी का आतंक, भूख, गरीबी, मानसिक तनाव, जानवरों जैसा जीवन, चोरी का भय, नाजियों का आतंक आदि दृश्य मिलते है । ख] सिंधु-सभ्यता के शहर की व्यवस्था, साधन, नियोजन की चर्चा, अन्नभंडारण व्यवस्था, जल-निकासी व्यवस्था अत्यंत विकसित, भवन निर्माण व्यवस्थित, परंतु भव्यता का प्रदर्शन नहीं, सब कुछ आवश्यकताओं से जुड़ा, भव्यता कहीं नहीं ।	**3+2**	**5**

प्रश्न संख्या	प्रश्न-प्रकार	उत्तर-संकेत (बिंदु मात्र)	अंक विभाजन	पूर्णांक
13	पूरक पुस्तक पर मूल्यपरक प्रश्न	क] यशोधर बाबू ने सहनशीलता, विनम्रता अपनी संस्कृति एवं विरासत से प्रेम और लगाव जैसे मूल्यों को पाया । किशनदा की छवि को अपने जीवन में उतारा और सांस्कृतिक मूल्यों को जीवित रखा । मैं यशोधर बाबू की तरह आचरण करता । ख] यशोधर बाबू का बेटा होता तो उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों में सहयोग देता । उनकी उपेक्षा नहीं करता । मूल्यों, परंपराओं को जीवित रखने में योगदान देता ।	2+ 3	5
14	पूरक पुस्तक पर दो में से एक निबंधात्मक प्रश्न	सुनियोजित ढंग से गृह निर्माण, निकासी की उत्कृष्ट व्यवस्था, मुख्य सड़कें चौड़ी, कृषी व्यवसाय, यातायात के साधन के रूप में बैलगाड़ी, एक ही आकार की पक्की ईंटों का प्रयोग,अन्न भंडारघर,स्नानगृह,गहने,मुद्रा इ. अथवा पढ़ने की इच्छा रखनेवाला, अत्यंत परिश्रमी, लगनशील, जुझारू, आज्ञाकारी इ.		5